भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2233

02 अगस्त, 2023 को उत्तर के लिए

हरित इस्पात को बढ़ावा देना

2233. श्री अदला प्रभाकर रेड्डी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने इस्पात उत्पादन प्रक्रिया में कोयले के स्थान पर हाइड्रोजन का प्रयोग करके हरित इस्पात को बढ़ावा देने की दिशा में कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) देश में इस्पात उत्पादन के लिए हाइड्रोजन पर कार्य करने वाले इस्पात संयंत्रों की संख्या कितनी है;

(घ) क्या सरकार ने इस्पात के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में हरित इस्पात को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)**

(क) और (ख): सरकार ने हाइड्रोजन का प्रयोग करके निम्न या न्यून कार्बन इस्पात को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

(i) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और उपयोग के लिए राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन की घोषणा की है। इस मिशन में इस्पात क्षेत्र को भी एक हितधारक बनाया गया है।

(ii) इस्पात क्षेत्र के अकार्बनीकरण हेतु विभिन्न पद्धतियों के संबंध में चर्चा, विचार-विमर्श और सिफारिश करने के लिए उद्योग, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, एस एंड टी इकाइयों, विभिन्न मंत्रालयों तथा अन्य हितधारकों को शामिल करते हुए 13 कार्यबलों का गठन किया गया है। इस्पात उद्योग में हरित इस्पात के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हरित हाइड्रोजन पर कार्यबल का गठन किया गया है।

(ग): वर्तमान में, कोई भी कंपनी उत्पादन पैमाने पर हाइड्रोजन का उपयोग कर इस्पात नहीं बना रही है।

(घ) और (ङ): सरकार इस्पात पीएसयू के साथ निम्न कार्बन इस्पात के संवर्धन हेतु चर्चा एवं विचार-विमर्श कर रही है। इस्पात क्षेत्र के अकार्बनीकरण हेतु किए जाने वाले उपायों के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबलों में इस्पात सीपीएसई भी हितधारकों के रूप में जुड़े हैं।

****